# अध्याय 3: नीम

**विषय-सूची** — 6 प्रश्नावली · 25 प्रश्न


| | | |
|---|---|---|
| प्रश्नावली 3.1 | बातचीत के लिए | 5 प्रश्न |
| प्रश्नावली 3.2 | पाठ के भीतर | 9 प्रश्न |
| प्रश्नावली 3.3 | भाषा की बात | 3 प्रश्न |
| प्रश्नावली 3.4 | अभिनय | 1 प्रश्न |
| प्रश्नावली 3.5 | वृक्ष एक, गुण अनेक | 4 प्रश्न |
| प्रश्नावली 3.6 | मैं नीम हूँ | 3 प्रश्न |


## प्रश्नावली 3.1 — बातचीत के लिए

### प्रश्न 1

नीम के बारे में आप क्या-क्या जानते हैं?

**उत्तर: नमूना उत्तर: नीम एक बड़ा पेड़ है। इसकी पत्तियाँ, टहनियाँ और फल औषधीय गुणों से भरपूर हैं। नीम की पत्तियाँ कड़वी होती हैं और कई बीमारियों को दूर भगाती हैं।**

### प्रश्न 2

आपने अपने परिवेश में बहुत से पेड़-पौधे देखे होंगे। कुछ के नाम बताइए।

**उत्तर: नमूना उत्तर: हमारे आसपास आम, पीपल, बरगद, तुलसी, केला, इमली और शीशम के पेड़-पौधे होते हैं।**

### प्रश्न 3

आप विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों की पहचान किस आधार पर कर पाते हैं?

**उत्तर: नमूना उत्तर: हम पेड़-पौधों की पहचान उनकी पत्तियों के आकार, फूलों के रंग, फलों की बनावट और छाल की बनावट से करते हैं।**

### प्रश्न 4

पेड़-पौधों से जुड़ा अपना कोई अनुभव सुनाइए, जैसे आपने कोई पौधा लगाया हो या किसी वृक्ष की छाया के नीचे आप खेलते हों।

**उत्तर: नमूना उत्तर: मैंने एक बार आम की गुठली को मिट्टी में बोया था। कुछ दिनों बाद उसमें छोटी-सी कोंपल निकली। उसे बढ़ते देखना बहुत अच्छा लगा।**

### प्रश्न 5

आपको सबसे अच्छा पेड़ कौन-सा लगता है? आपको यही पेड़ सबसे अच्छा क्यों लगता है?

---

**उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे नीम का पेड़ सबसे अच्छा लगता है, क्योंकि यह बिना कुछ लिए सबको छाया, शुद्ध हवा और दवाई देता है।**

## प्रश्नावली 3.2 — पाठ के भीतर

### प्रश्न 1

इस कविता में किन पक्षियों के नाम आए हैं? उनके नाम लिखिए।

**उत्तर: इस कविता में तीन पक्षियों के नाम आए हैं — दिदिया (दादी माँ), कौआ और तोता।**

### प्रश्न 2

नीम से किन-किन रोगों में लाभ हो सकता है? किन्हीं तीन के नाम पता करके लिखिए।

**उत्तर: नीम से चर्म रोग (खुजली, दाद), मलेरिया और दाँतों के रोगों में लाभ हो सकता है।**

### प्रश्न 3

नीम का वृक्ष सबका मन कैसे बहलाता है?

**उत्तर: जब हवा चलती है तो नीम का वृक्ष झूम-झूमकर लहराता है। उसकी हरी-भरी डालियों की यह लय देखकर सबका मन प्रसन्न हो जाता है।**

### प्रश्न 4

कविता की पंक्तियाँ पढ़िए — 'दिदिया, कौआ, तोता सबसे, अपना नेह जताता नीम' — (क) नीम का वृक्ष पक्षियों से अपना नेह किस प्रकार जताता है?

**उत्तर: नीम का वृक्ष पक्षियों को अपनी डालियों पर आश्रय देता है, उन्हें घोंसला बनाने की जगह देता है और फल खाने देता है। इस प्रकार वह अपना प्रेम और अपनापन जताता है।**

### प्रश्न 5

(ख) आपके परिवार के सदस्य और अध्यापक आपसे अपना नेह किस प्रकार जताते हैं?

**उत्तर: नमूना उत्तर: परिवार के सदस्य हमारा ध्यान रखकर, खाना खिलाकर और बीमार होने पर सेवा करके अपना नेह जताते हैं। अध्यापक हमें प्यार से पढ़ाकर और सही राह दिखाकर अपना स्नेह जताते हैं।**

### प्रश्न 6

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 'चले प्रदूषित वायु कभी तो, उसको शुद्ध बनाता नीम' — (क) 'प्रदूषित वायु' से आप क्या समझते हैं?

**उत्तर: प्रदूषित वायु वह हवा है जिसमें धूल, धुआँ और हानिकारक गैसें मिली हों। ऐसी हवा हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है।**

### प्रश्न 7

(ख) वृक्ष प्रदूषित वायु को कैसे शुद्ध बनाते हैं?

**उत्तर: वृक्ष प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में हवा की कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। इस प्रकार वे प्रदूषित वायु को शुद्ध बनाते हैं।**

### प्रश्न 8

नीचे लिखे भाव कविता की किन पंक्तियों में आए हैं? — (क) 'नीम का वृक्ष डॉक्टर नहीं है, फिर भी बहुत सारे रोगों को भगाता है।'

**उत्तर: कविता की पंक्ति: 'नहीं डॉक्टर फिर भी देखो, कितने रोग भगाता नीम।'**

### प्रश्न 9

(ख) 'नीम का वृक्ष दिनभर प्रसन्न रहता है।'

**उत्तर: कविता की पंक्ति: 'लहराता-बलखाता नीम, दिनभर हँसता-गाता नीम।'**

## प्रश्नावली 3.3 — भाषा की बात

### प्रश्न 1

इस कविता में आए उन शब्दों को लिखिए जिनसे पता चलता है कि नीम पुल्लिंग है।

**उत्तर: कविता में नीम के लिए प्रयुक्त पुल्लिंग क्रिया रूप — लहराता, बलखाता, हँसता, गाता, जताता, भगाता, बनाता, सिखाता, बहलाता, दे जाता। ये सभी पुल्लिंग के संकेत देते हैं।**

### प्रश्न 2

नीचे रखी टोकरी में बहुत से फल और साग-भाजी दिखाए गए हैं। इन्हें स्त्रीलिंग और पुल्लिंग की श्रेणी में रखिए।

**उत्तर: नमूना उत्तर: स्त्रीलिंग — धनिया, इमली, तुलसी, आम (एक मत में पुल्लिंग भी)। पुल्लिंग — नीम, केला, शीशम, बरगद। (टोकरी के चित्र में दिए गए फल-भाजी देखकर उचित वर्गीकरण करें।)**

### प्रश्न 3

'प्रदूषित' शब्द में 'प्र' उपसर्ग लगा है। ऐसे ही 'प्र' उपसर्ग वाले कुछ और शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

**उत्तर: प्र उपसर्ग से बने शब्द — प्रकाश, प्रसन्न, प्रयोग, प्रवेश, प्रतिदिन, प्रकृति।**

## प्रश्नावली 3.4 — अभिनय

### प्रश्न 1

'नीम' कविता में बहुत से क्रिया शब्द आए हैं। कविता एक बार पुनः पढ़िए और नीचे लिखे क्रिया शब्दों के भाव के अनुसार अभिनय कीजिए — लहराना, बलखाना, हँसना, गाना, नेह जताना, भगाना

**उत्तर: अध्यापक के साथ कविता पढ़ें और हर क्रिया शब्द के भाव को हाथों तथा शरीर की हरकत से दर्शाएँ। जैसे — 'लहराना' के लिए हाथों को लहरों की तरह हिलाएँ; 'हँसना' के लिए मुस्कुराएँ।**

## प्रश्नावली 3.5 — वृक्ष एक, गुण अनेक

### प्रश्न 1

वृक्षों की बहुत-सी विशेषताएँ होती हैं, उन विशेषताओं को लिखिए।

**उत्तर: वृक्षों की विशेषताएँ — हरा-भरा, छाया देने वाला, फल-फूल देने वाला, हवा शुद्ध करने वाला, पक्षियों का घर, मिट्टी को रोकने वाला।**

### प्रश्न 2

नीचे कुछ वृक्षों/पौधों की पत्तियों के चित्र हैं। उनके नाम उलट-पुलट गए हैं। उन्हें पहचानकर मिलान कीजिए। अपनी भाषा में भी उनके नाम पता करके लिखिए।

**उत्तर: चित्र में दी गई पत्तियों को उनके आकार से पहचानें और सही नाम से मिलाएँ। जैसे — गोल पत्ती → बरगद; लंबी पत्ती → धनिया; छोटी पत्ती → इमली; बड़ी पत्ती → केला। अपनी स्थानीय भाषा में नाम अध्यापक की सहायता से लिखें।**

### प्रश्न 3

नीचे दी गई पत्तियों को पहचानिए और इनके नाम तथा विशेषताएँ अपने अध्यापकों तथा अभिभावकों की सहायता से लिखिए।

**उत्तर: पत्तियों को उनके आकार, रंग, किनारों की बनावट और बनावट से पहचानें। अध्यापक या अभिभावक की मदद से नाम और एक-एक विशेषता लिखें। जैसे — आम की पत्ती: लंबी, हरी, बंदनवार बनाने में उपयोगी।**

### प्रश्न 4

आपके परिवेश में जो भी पत्ते दिखते हैं, उनका संग्रहण कीजिए। पत्तों को किसी मोटे कागज पर चिपकाइए। उनकी विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए उनके बारे में दो-दो वाक्य लिखिए।

**उत्तर: आसपास से 4-5 अलग-अलग पत्ते इकट्ठे करें और कागज पर चिपकाएँ। हर पत्ते के बारे में दो वाक्य लिखें। जैसे — यह नीम की पत्ती है। इसके किनारे दाँतेदार होते हैं और यह कड़वी होती है।**

## प्रश्नावली 3.6 — मैं नीम हूँ

### प्रश्न 1

नीचे नीम के बारे में कुछ आधे-अधूरे वाक्य लिखे हैं। सहपाठियों से चर्चा करके इन वाक्यों को पूरा कीजिए।

**उत्तर: वाक्य पूरे करें — मेरा एक-एक भाग औषधीय गुणों से भरपूर है। मेरी पत्तियों का आकार लंबा और रंग हरा होता है। मेरी पत्तियों के किनारे दाँतेदार होते हैं। मेरी पत्तियों को उबालकर उस पानी से नहाने से चर्म रोग दूर होते हैं। मेरी कोमल टहनियाँ दाँत साफ़ करने के काम आती हैं — इसे दातुन कहते हैं। मेरे फल को निबौरी कहा जाता है। मेरी पत्तियों का स्वाद कड़वा होता है। वर्षा ऋतु में मेरी पत्तियों को सुखाकर अनाज में रखा जाता है। बसंत/चैत्र मास में मेरी छटा देखने लायक होती है। आओ, कभी मेरी डाल पर झूला झूलने का आनंद लो।**

### प्रश्न 2

आपने नीम के बहुत से गुणों के बारे में जाना। इसकी टहनियों, पत्तियों, निबौरियों में औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसलिए इसे औषधीय वृक्ष भी कहते हैं। अपने सहपाठियों से चर्चा करके कुछ और औषधीय पेड़-पौधों एवं जड़ी-बूटियों के नाम नीचे लिखिए।

**उत्तर: कुछ औषधीय पेड़-पौधे और जड़ी-बूटियाँ — तुलसी, अदरक, हल्दी, आँवला, अश्वगंधा, पुदीना, एलोवेरा (घृतकुमारी)।**

### प्रश्न 3

आप नीम की डालियों पर रस्सी डालकर झूला झूलने का आनंद लेना चाहते हैं। कल्पना कीजिए कि नीम की डालियाँ आपसे बातें करने लगीं। उस संवाद को लिखिए।

**उत्तर: नमूना उत्तर: नीम — अरे! बहुत दिन बाद आए हो! आप — हाँ नीम दादा, परीक्षाएँ चल रही थीं। नीम — कोई बात नहीं, अब झूलो खूब। मेरी डालियाँ मज़बूत हैं। आप — आपकी छाँव में बैठना और यहाँ खेलना बहुत अच्छा लगता है। नीम — बस इसी के लिए तो हम पेड़ हैं — देते रहो, लेते कुछ नहीं।**